परीक्षा संगीत संस्कार
कथक (नृत्य), भाग -1

उद्देश्य :- इस वर्ष हमें विद्यार्थियों पर संगीत के संस्कार एवं उसके प्रति रुचि निर्माण करना है, क्योंकि स्वर और लय संगीत के आधारस्तंभ है |
'स्वर' संगीतरूपी भाषा के अक्षर है और 'लय' संगीतरूपी भाषा का व्याकरण है |

सूचना :- इस वर्ष में नृत्य और ताल में परिचित होना विद्यार्थी से अपेक्षित है | इस वर्ष परीक्षा नहीं होंगी | लेकिन वर्ष के अंत में केवल पाठ्यक्रम पूर्तता के अनुसार स्वयं शिक्षक द्वारा विद्यार्थी का वार्षिक मूल्यमापन श्रेणी के आधार पर होगा | (अ+, अ , ब+, ब)

- **पाठ्यक्रम :-**

1. ओंकार का उच्चारण
2. चित्रद्वारा विविध नृत्यशैलियों का परिचय (जहाँ हो सके वहाँ व्हीडीओ द्वारा नृत्यका दर्शन)
3. तालीद्वारा लय का परिचय (गायन / वादन संगीत सुनाना)
4. कथक शैलिनुसार खड़े रहने का अभ्यास |
5. पदाघात का अंदाज 8 मात्रा (तत्कार) |
6. हस्तसंचालन का प्राथमिक परिचय।
7. कत्थक के लिए वेषभूषा का परिचय और वाद्य परिचय।
8. विशिष्ट दिशामें लय के साथ चलने का अभ्यास |
9. प्रादेशिक नृत्य की पहचान | (चित्र एवं विडिओ द्वारा)
10. अभिनय गीत का प्रस्तुतीकरण |
11. अंकों के माध्यम से 16 मात्राओं की गिनती |

परीक्षा संगीत संस्कार
कथक (नृत्य) भाग - 2

उद्देश्य - विद्यार्थी में संगीत के प्रति रुचि और मानसिकता उत्तरोत्तर बढ़ती जाए एवं सरलता से उन्हें संगीत का आनंददायी परिचय हो |

सूचना :- इस वर्ष में नृत्य और ताल का क्रियात्मक संगीत में साधारण प्रयोग विद्यार्थी से अपेक्षित है | इस वर्ष परीक्षा नहीं होंगी | लेकिन वर्ष के अंत में केवल पाठ्यक्रम पूर्तता के अनुसार स्वयं शिक्षक द्वारा विद्यार्थी का वार्षिक मूल्यमापन श्रेणी के आधार पर होगा | (अ+, अ , ब+, ब)

1. तीन ताल का ठेका हाथ पर ताल देकर पढंत |
2. कोई भी ताल वाद्य के लय के अनुसार पैरों से ताल देना |
3. भक्ति रसपर आधारित किसी भी गीत पर प्रसुतिकरण का प्रयास |
4. भारतीय लोक नृत्य को पह्चानना | (चित्र/विडिओद्वारा)
5. कथक के कोई भी दो कलाकारों का नाम बताना |
6. संगीत श्रवण – विद्यार्थी के पसंद के गीत या वाद्य वादन सुनाना, सुनतें सुनते उस पर हाथ से ताल देने का अभ्यास |
7. राष्ट्रगीत जन-गण-मन एवं राष्ट्रगान वंदे मातरम् सरल गायन |
8. कहानी, रंग एवं खेलों के माध्यम से संगीत-नृत्य का परिचय |
9. सरल लय में नृत्य के बोल (ता थै थै त्तत्, आ थै थै त्तत्)
10. दृक श्राव्य के माध्यम से संगीत से परिचय (वाद्यों के चित्र दिखाना, वाद्यों का आवाज सुनाना, चित्रों के माध्यम से संगीत परिचय)
11. प्राकृतिक घटकों का मुद्राओं के माध्यम से परिचय एवं प्रदर्शन | उदा. पशु-पक्षी, नदी, फूल आदि